Title: Request the government to investigate the death of Rashtriya Swayam Sewak (RSS) workers in Tripura.

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर) : उपाध्यक्ष महोदय, त्रिपुरा में आतंकवादी गतिविधियों और ईसाई मिशनरियों की अलगाववादी कार्रवाई से कानून और व्यवस्था की स्थिति बिगड़ रही है। वहां निर्दोा लोगों की हत्याएं हो रही हैं। पिछले तीन-चार वर्ाों में 1500 से ज्यादा लोगों का अपहरण किया गया। इनमें मजदूर से लेकर व्यापारी, ठेकेदार और सुरक्षा बलों के जवान भी हैं। इनमें से कोई गैर हिन्दू नहीं है। फिरौती देकर उन सभी लोगों को मुक्त कराना पड़ा। आश्चर्य की बात है कि हिन्दू बहुल क्षेत्रों में ईसाइयों को संस्थाएं चलाने की खुली छूट है लेकिन उत्तर पूर्वी राज्यों में अगर हिन्दू अपनी संस्था चलाना चाहता है तो उनका अपहरण कर लिया जाता है। राट्रीय स्वंय सेवक संघ के 400 समर्पित कार्यकर्ता जो लंबे समय से देश की सेवा में लगे थे और जिन्होंने अपना सारा जीवन अर्पित कर दिया, उनका दक्षिणी त्रिपुरा में अगरतला के पास अपहरण कर लिया गया। बहुत साल बाद उनके बारे में वहां की सरकार ने रिपोर्ट दी कि उनकी हत्या कर दी गई है। यह एक दुखद घटना है। उनके लिए दो करोड़ रुपए फिरौती के तौर पर मांगे गए थे। हमने वहां की सरकार से आग्रह किया था कि उनका जल्दी पता लगा कर आतंकवादियों से इन्हें मुक्त कराया जाए लेकिन ईसाई मिशनरियों के चंगुल में रख कर त्रिपुरा सरकार ने एक ाड्यंत्र रचा और उन्हें मौत के मुंह में धकेल दिया। मेरी मांग है कि त्रिपुरा सरकार को बर्खास्त किया जाए। वहां आतंकवादी गतिविधियों और विध्वंसकारी गतिविधियों को रोकने में त्रिपुरा सरकार असफल रही है। मेरा आग्रह है कि इन हत्याओं का पता लगाकर उन्हें कड़ी से कड़ी सजा देनी चाहिए।